Reg. No. | | | | | | | | | |

BCAHDLN 201

Second Semester B.C.A. Degree Examination, September 2022
(NEP 2020) (2021 – 22 Batch Onwards)
HINDI LANGUAGE
Group – III, Paper – II (AECC)

Time : 2 Hours Max. Marks : 60

I. **एक** शब्द या **एक** वाक्य में उत्तर लिखिए : **(1×10=10)**

1) पंडित का नाम क्या है ?

2) नन्हकूसिंह की प्रेमिका का नाम क्या है ?

3) सेठानी किसके कारण परेशान थी ?

4) बाबा भारती के घोडे का नाम क्या था ?

5) पंडित ने लाश को कहाँ फेंक दिया ?

6) फुलवा के बेटे का नाम क्या है ?

7) पन्ना के पति का नाम क्या था ?

8) 'मीरा नाची' कहानी का कहानीकार कौन है ?

9) 'बैल की बिक्री' कहानी का मुख्य पात्र कौन है ?

10) 'पत्नी' कहानी में पत्नी का नाम क्या है ?

II. किन्हीं **दो** अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(2×5=10)**

1) "बिटिया की सगाई कर रहा हूँ महाराज, कुछ साइत सगुन विचारना है। कब मर्जी होगी" ?

2) उसके हृदय से एक मर्मभेदी चीख निकल पडी। वह सिर और छाती पीट पीटकर रोने लगी।

3) बाबाजी, मैं यह घोडा आपके पास न रहने दूँगा।

4) मेरी तो खैर कुछ नहीं, अपने तन का तो ध्यान रखना चाहिए।

P.T.O.

III. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(2×10=20)**

1) "गुण्डा" कहानी का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं प्रकाश डालिए।

2) "बैल की बिक्री " कहानी के आधार पर शिबु का चरित्र चित्रण कीजिए।

3) "कर्मफल" कहानी का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

4) "पत्नी" कहानी के आधार पर सुनंदा का चरित्र चित्रण कीजिए।

IV. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(2×5=10)**

1) राज भाषा हिन्दी।

2) प्रयोजन मूलक हिन्दी के विविध क्षेत्र।

3) संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी।

4) प्रतिवेदन की विशेषताएँ।

V. 1) किसी विद्यालय के वार्षिकोत्सव पर **एक** प्रतिवेदन तैयार कीजिए। **(1×5=5)**

2) **हिन्दी** में अनुवाद कीजिए। **(1×5=5)**

Gandhiji was very careful in his use of time. He was doing an enormous amount of work, reading, writing letters, speaking in public and writing articles for the press etc. To do all these he had to use his time very wisely. He dedicated his whole life for the service of humanity.

ಗಾಂಧೀಜಿಯವರು ಸಮಯದ ಸದುಪಯೋಗದಲ್ಲಿ ಬಹಳ ಎಚ್ಚರಿಕೆಯಿಂದಿರುತ್ತಿದ್ದರು. ಅವರು ಓದುವುದು, ಪತ್ರಗಳನ್ನು ಬರೆಯುವುದು, ಸಾರ್ವಜನಿಕ ಭಾಷಣಗಳನ್ನು ಮಾಡುವುದು, ಪತ್ರಿಕೆಗಳಿಗೆ ಲೇಖನಗಳನ್ನು ಬರೆಯುವುದು ಇತ್ಯಾದಿ ಅನೇಕ ಕೆಲಸಗಳನ್ನು ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದರು. ಇವನ್ನೆಲ್ಲ ಮಾಡುವುದಕ್ಕೆ ಅವರು ತಮ್ಮ ವೇಳೆಯನ್ನು ಬಹಳ ಬುದ್ಧಿವಂತಿಕೆಯನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸುತ್ತಿದ್ದರು. ಅವರು ತಮ್ಮ ಇಡೀ ಜೀವನವನ್ನು ಮಾನವ ಸಮಾಜದ ಸೇವೆಗಾಗಿ ಮುಡಿಪಾಗಿಟ್ಟಿದ್ದರು.